खादी ग्रामोद्योग कमीशन के कार्यसंचालन में अनियमितताएं

652. **श्री सत्यपाल मलिक** : क्या उद्योग और कम्पनी कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को खादी ग्रामोद्योग कमीशन के कार्यसंचालन में बरती जा रही अनियमितताओं की जानकारी मिली है ;

(ख) यदि हां, तो उनका ब्योरा क्या है; और

(ग) यदि उपर्यक्त भाग (क) का उत्तर ना में हो, तो क्या सरकार उसे रोकने के लिए कमीशन के कार्य संचालन की स्वयं कोई जांच या निगरानी करने का विचार रखती है ?

उद्योग और कम्पनी कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री आरिफ मोहम्मद खां) : (क) से (ग) प्रश्न में उस क्षेत्र का स्पष्ट उल्लेख नहीं किया गया है जिसमें कथित अनि यमितताएं हुई हैं । क्योंकि यह आयोग संसद के अधिनियम के अधीन गठित एक वैधानिक निकाय है इसलिए लेखापरीक्षा (सी० डब्यू० एण्ड एम०) के निदेशक द्वारा विधीवि त इसकी वार्षिक रिपोर्ट और वार्षिक लेखों की संसद के दोनों सदनों में सभा पटल पर रखी जाता है ।

टायरों की कीमतें

653. **श्री सत्यपाल मलिक** : क्या उद्योग और कम्पनी कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) टायर निर्माताओं द्वारा टायरों की कीमतों में वृद्धि किए जाने के क्या औचित्य तथा कारण बताए गए हैं ;

(ख) क्या सरकार ने टायर बनाने में आने वाली लागत और उनकी विक्रय कीमतों के अन्तर का कोई अध्ययन कराया है ; और

(ग) यदि हां, तो अध्ययन के क्या परिणाम हुए ?

उद्योग और कम्पनी कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री आरिफ मोहम्मद खां) (क) टायर उद्योग के अनुसार कच्चे माल और परिवर्तन की लागत में वृद्धि के कारण टायरों की कीमतें बढ़ाना अनिवार्य हो गया था ।

(ख) और (ग) 1982 और 1983 में किए गए अध्ययनों से स्पष्ट हुआ है कि टायरों की कीमतों में वृद्धि के लिए कच्चे माल और परिवर्तन की लागत में वृद्धि को उत्तरदायी माना जा सकता है ।

Industries in No Industry District

654. MISS SAROJ KHAPARDE: Will the Minister of INDUSTRY AND COMPANY AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that private industry is not willing to go to remote locations despite heavy subsidies which cover the cost of development of infrastructure, capital cost and tax holidays;

(b) if so, what are the details of private industrial units set up in each 'No industry district' during the last two years year-wise and the names of the industrial houses which have set up these industriies;

(c) what are the details of the subsidies given for the purpose; and

(d) whether the Central Government propose to set up their own indusries in these districts;

(e) if so, what are the deails there of; and

(f) if the answer to (d) above be in the negative what are the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY AND COMPANY AFFAIRS (SHRI ARIF MOHD. KHAN): (a) The present in-